

उसूर ब्लॉक में कलेक्टर-सीईओ का औचक निरीक्षण



बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे ने शुक्रवार को उसूर विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर शासकीय संस्थाओं में व्यवस्थाओं, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने और आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने

के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने सर्वप्रथम बालिका पोटाकेबिन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अध्ययनरत बालिकाओं तथा शाला त्यागी बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई, उपस्थिति एवं शिक्षा से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा शिक्षण व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर एक अनुदेशक को कारण बताओ

नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। इसके पश्चात अधिकारियों ने दुर्गागुड़ा स्थित नवनिर्मित एकलव्य विद्यालय भवन का अवलोकन किया। बालक एवं बालिका छात्रावासों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से भोजन, आवास, अध्ययन एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावासों में आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने तथा विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

वीबी-जी रामजी योजना से बढ़ेंगे रोजगार और अधोसंरचना के अवसर

इस दौरान अधिकारियों ने वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत गांवों में अधोसंरचना विकास के साथ स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीणों को श्रमिक पंजीयन कराने तथा श्रम विभाग योजनाओं की जानकारी देकर प्राप्त हितग्राहियों को पंजीयन के लिए प्रेरित किया, ताकि जरूरतमंद परिवार शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। औचक निरीक्षण के दौरान एसडीएम उसूर भूपेन्द्र गावरे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएचसी बासागुड़ा में मरीजों से ली सुविधाओं की जानकारी

कलेक्टर एवं सीईओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बासागुड़ा पहुंचकर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। चिकित्सकों से दैनिक ओपीडी, दवाइयों की उपलब्धता, स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपस्थिति एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

एश्रीस्टेक पंजीयन शिविर का किया निरीक्षण

तैरंम में आयोजित एश्रीस्टेक पंजीयन शिविर का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर एवं सीईओ ने पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को पात्र किसानों का पंजीयन सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में उपस्थित किसानों से संवाद कर एश्रीस्टेक पंजीयन के महत्व की जानकारी दी तथा शासन की विभिन्न कृषि एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

भाजपा मंडल भानुप्रतापपुर की मासिक बैठक एवं सेवा संकल्प अभियान की तैयारी बैठक संपन्न

भानुप्रतापपुर। भाजपा मंडल भानुप्रतापपुर की मासिक बैठक के साथ-साथ सेवा संकल्प अभियान की तैयारी एवं अभियान से संबंधित संपूर्ण जानकारी को लेकर बैठक यादव भवन में आयोजित की गई। बैठक मंडल अध्यक्ष डिगेश खापंडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के जिला संयोजक दिलीप जायसवाल का आगमन हुआ, वहीं मंडल प्रभारी विजय मंडवी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सेवा संकल्प अभियान के मंडल संयोजक एवं मंडल महामंत्री गिरधारी नरेटी भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में सेवा संकल्प अभियान के जिला संयोजक दिलीप जायसवाल ने अभियान की विस्तृत जानकारी एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा कार्यकर्ताओं के समक्ष रखी। ज्ञात हो कि सेवा संकल्प अभियान भारतीय जनता पार्टी का प्रमुख एवं बहुप्रतीक्षित वार्षिक आयोजित किया जाएगा। पूर्व में यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।



दौरान मतदान केंद्र स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम निष्पत्ति किए गए हैं। कार्यक्रम की शुरुआत 17 सितंबर को दीप प्रज्वलन के साथ की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों एवं देश में किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों से लाभान्वित लोग कृतज्ञता भाव के साथ अपने-अपने घरों में दीप प्रज्वलित करेंगे। इसके साथ ही पूरे एक माह के दौरान अनेक सेवा एवं नवाचार आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, पत्त वितरण, मदिरों में साफ-सफाई, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान, प्रबुद्धजनों से भेंट, किसानों से भेंट, शिक्षकों एवं बुद्धिजीवी वर्ग से संवाद सहित विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं। इन सभी कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक सेवा एवं जनसरोकार की भावना को पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री राजीव श्रीवास ने किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जुगल किशोर शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रजिंदर

भोरमदेव कॉरिडोर से पहले सड़क की चिंता, खड़गराज ने कलेक्टर से कवर्धा-सरोधा-भोरमदेव मार्ग के चौड़ीकरण की उठाई मांग

कवर्धा। भोरमदेव क्षेत्र में पर्यटन विकास और प्रस्तावित कॉरिडोर निर्माण की तैयारियों के बीच कवर्धा-सरोधा-भोरमदेव मार्ग की बदहाल एवं संकरी स्थिति अब सवालों के घेरे में है। मार्ग के जमीनी हालात का जायजा लेने के बाद खड़गराज कुमार सिंह ने जिला कलेक्टर कबीरधाम को पत्र लिखकर सड़क के शीघ्र पुनर्निर्माण, चौड़ीकरण और सड़क सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। खड़गराज कुमार सिंह ने कहा कि कवर्धा से सरोधा होते हुए भोरमदेव तक जाने वाला यह मार्ग केवल पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि आसपास के दस से अधिक गांवों के ग्रामीणों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा नागरिकों और आम लोगों के दैनिक आवागमन का प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसके बावजूद लंबे समय से सड़क की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। उन्होंने कलेक्टर को दिए पत्र में बताया कि क्षेत्रवासी पिछले लगभग दस वर्षों से मार्ग के निर्माण एवं चौड़ीकरण की मांग करते आ रहे हैं। मार्ग के निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर सड़क अत्यंत संकरी और जर्जर स्थिति में मिली। आमने-सामने से बड़े वाहन आने पर आवागमन प्रभावित होता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वाहनों की लगातार बढ़ती संख्या ने समस्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



भोरमदेव पर्यटन बढ़ेगा तो सड़क पर बढ़ेगा दबाव

खड़गराज कुमार सिंह ने भोरमदेव क्षेत्र में प्रस्तावित कॉरिडोर और पर्यटन सुविधाओं के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले समय में पर्यटकों और वाहनों की संख्या बढ़ना स्वाभाविक है। ऐसे में वर्तमान सड़क भविष्य के यातायात दबाव के लिए पर्याप्त नहीं होगी। पर्यटन का विस्तार यदि तेज रफ्तार से होना है तो उससे जुड़ी सड़क अधोसंरचना भी उसी गति से विकसित करनी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि कवर्धा नगर के वरिष्ठ नागरिक सुबह-शाम इसी मार्ग पर पैदल भ्रमण करते हैं। पुलिस एवं अन्य सेवाओं की भर्ती की तैयारी करने वाले युवा भी दौड़ और शारीरिक अभ्यास के लिए मार्ग का उपयोग करते हैं। इसलिए सड़क का चौड़ीकरण केवल यातायात सुविधा नहीं, बल्कि जनसुरक्षा से जुड़ा विषय भी है। कलेक्टर को सौंप पत्र में मार्ग का तकनीकी सर्वेक्षण कराने, वर्तमान एवं भविष्य के यातायात को ध्यान में

किरंदुल में गूँजा गणपति बप्पा मोरया का जयकारा श्री गणेश जी का भव्य स्वागत आगमन



किरंदुल। बैलाडीला की धरती इन दिनों भक्तिमय हो गई। श्री श्री सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति, बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ, किरंदुल द्वारा दत्तेवाड़ा जिले में प्रथम बार भगवान श्री गणेश जी के भव्य स्वागत आगमन का दिव्य और ऐतिहासिक आयोजन शुक्रवार शाम को सम्पन्न हुआ।

दूरस्थ अंचलों में कलेक्टर ने किया अस्पताल स्कूल और छात्रावासों का सघन निरीक्षण

कांकेरा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिले के दूरस्थ अंचल दुर्गकोंदल एवं बड़ागांव क्षेत्र का सघन दौरा कर अस्पताल, स्कूल, छात्रावास एवं निर्माणधीन विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थाओं में मरीजों के उपचार, चिकित्सा सुविधाओं, संस्थागत प्रसव एवं स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी ली। वहीं स्कूलों में पठन-पाठन, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं शौचालय सुविधाओं का जायजा लेते हुए विद्यार्थियों से रू-ब-रू चर्चा कर शिक्षा की गुणवत्ता परखी। छात्रावासों में बच्चों को मिलने वाले भोजन, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने दुर्गकोंदल के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के विभिन्न वार्डों, पंजीयन कक्ष, दवाई वितरण कक्ष, पनसीडी स्क्रining कक्ष एवं एक्स-रे कक्ष का निरीक्षण किया तथा मरीजों के उपचार एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राएं स्वास्थ्य परीक्षण के लिए अतिथि शिक्षिका सुशी प्रियंका बामरिया के साथ अस्पताल पहुंची थीं। कलेक्टर ने छात्राओं से बातचीत की और उन्हें कविता सुनाने के लिए कहा।

सीएमओ यशवंत देवांगन पर लगे गंभीर आरोप



भटगांव। छत्तीसगढ़ के नवगठित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की नगर पंचायत बिलाईगढ़ एक बार फिर विवादों के घेरे में है। नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी यशवंत देवांगन के खिलाफ बेहद गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगे हैं। स्वच्छता समूह में काम करने वाली महिलाओं ने कलेक्टर के समक्ष सीएमओ पर लैंगिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है, वहीं नगर पंचायत के प्रभारी अध्यक्ष ने सीएमओ पर शासकीय दस्तावेज पीआईसी रजिस्टर में छेड़छाड़ और प्रशासनिक अधिकारियों से बदसलूकी का आरोप लगाया है। जहां दो अलग-अलग शिकायतों के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है और पूरे मामले की जांच का जिम्मा एसडीएम बिलाईगढ़ को सौंपा

दूसरा मामला : पीआईसी रजिस्टर को घर ले जाने और छेड़छाड़ का आरोप

इसी बीच नगर पंचायत में एक और बड़ा विवाद सामने आया। नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रभारी अनूप जायसवाल ने एसडीएम बिलाईगढ़ को एक लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया कि सीएमओ यशवंत देवांगन नगर पंचायत के सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों में से एक, पीआईसी रजिस्टर को अपने निजी निवास पर ले गए हैं और उसमें छेड़छाड़ कर रहे हैं।

गया है। एसडीएम द्वारा जांच दल गठित कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद नगर पंचायत की राजनीति गरमा गई है और सीएमओ को तत्काल हटाने और एफआईआर की मांग तेज हो गई है।

स्वच्छता दीदियों ने कलेक्टर से की शिकायत - लैंगिक उत्पीड़न का आरोप

वहीं मामले की शुरुआत करीब एक सप्ताह पहले हुई। नगर पंचायत बिलाईगढ़ में स्वच्छ भारत मिशन के तहत काम करने वाले स्व-सहायता समूह की महिलाओं, जिन्हें स्वच्छता दीदी के नाम से जाना जाता है, ने सामूहिक रूप से कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ कार्यालय पहुंचकर एक लिखित शिकायत सौंपी। शिकायत में महिलाओं ने सीएमओ यशवंत देवांगन पर गंभीर

आरोप लगाए हैं। महिलाओं का आरोप है कि सीएमओ द्वारा उनके साथ अशोभनीय व्यवहार और लैंगिक उत्पीड़न जैसी घटनाएं की जाती हैं। काम के बदले में अनुचित मांग और अभद्र भाषा के प्रयोग का भी आरोप लगाया गया है। महिलाओं ने अपनी शिकायत में कहा कि वे गरीब परिवार से हैं और सम्मान के साथ काम करना चाहती हैं, लेकिन सीएमओ के व्यवहार के कारण उनका काम करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कलेक्टर से न्याय और सुरक्षा की मांग की है। कलेक्टर कार्यालय ने इस संवेदनशील शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के लिए एसडीएम बिलाईगढ़ को निर्देशित किया है। सूत्रों के अनुसार इस मामले में विशाखा गाइडलाइन के तहत जांच दल गठित किया जा रहा है जिसमें महिला अधिकारी भी शामिल होंगी।

तीजा के रंग में रंगा कवर्धा, महिलाओं ने खेलों में दिखाया दमखम

विजय शर्मा की पहल पर ग्रामीण मंडल में सजा तीजोत्सव, रश्मि शर्मा के साथ महिलाओं ने साझा की पर्व की खुशियां

कवर्धा। तीजा तिहार को लेकर कवर्धा विधानसभा में उत्सव का माहौल है। विधायक विजय शर्मा की पहल पर विधानसभा के अलग-अलग मंडलों में आयोजित हो रहे तीजोत्सव में महिलाएं बड़ी संख्या में जुट रही हैं। कवर्धा ग्रामीण मंडल का तीजोत्सव भी इसी उत्साह का गवाह बना। 8 अगस्त को जी. रश्माम पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में पहुंचकर तीज की खुशियां मनाईं और लोक खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विधायक विजय शर्मा की पत्नी रश्मि शर्मा भी महिलाओं के बीच पहुंचीं। उन्होंने तीजोत्सव में सहभागिता की और महिलाओं के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। आयोजन के दौरान पारंपरिक खेलों और प्रतिযোগिताओं को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।



पारंपरिक खेलों ने बढ़ाई रौनक

तीजोत्सव में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक खेलों

को विशेष स्थान दिया गया। प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। खेलों के दौरान कार्यक्रम स्थल पर हंसी-खुशी और उत्साह

का माहौल बना रहा। आयोजकों का कहना है कि ऐसे आयोजनों के जरिए लोक संस्कृति को केवल मंच नहीं, बल्कि नई पीढ़ी से जोड़ने का अवसर भी

महिलाओं ने सराहा आयोजन

ग्रामीण मंडल की महिलाओं खिलेश्वरी साहू, सुखबती पटेल, मोंगरा पटेल और नीतू शर्मा ने कहा कि सामूहिक तीजोत्सव ने उन्हें अपनी संस्कृति और परंपराओं के करीब आने का अवसर दिया। दशदा साहू, रोशनी साहू और पुष्पा चंद्रवंशी ने कहा कि तीज के मौके पर महिलाओं का एक साथ जुटना और पारंपरिक खेलों में हिस्सा लेना खास अनुभव रहा। कार्यक्रम में विजयलक्ष्मी, देवकुमारी चंद्रवंशी, सविता ठाकुर, सत्विंदर पाहुजा, निशा साहू सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। तीजोत्सव के दौरान महिलाओं ने पर्व की खुशियां साझा कीं और छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं को सहेजने का संदेश दिया।

मिलता है। रश्मि शर्मा ने कहा कि तीजा तिहार छत्तीसगढ़ की महिलाओं की भावनाओं और पारिवारिक रिश्तों से गहराई से जुड़ा पर्व है। उन्होंने कहा कि तीजोत्सव का उद्देश्य महिलाओं को एक साथ लाना, उनके बीच संवाद और आपसी जुड़ाव बढ़ाना तथा पारंपरिक खेलों और लोक संस्कृति को आगे बढ़ाना है।

नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुरें ने नगरवासियों और क्षेत्रवासियों को दी तीजा-पोरा की बधाई



भटगांव। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े लोकपर्वों में से एक तीजा-पोरा के पावन अवसर पर नगर पंचायत भटगांव के अध्यक्ष विक्रम कुरें ने समस्त नगरवासियों, क्षेत्रवासियों और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुरें ने कहा कि तीजा और पोरा दोनों

की लंबी उम्र और अखंड सौभाग्य के लिए निर्जला व्रत रखती हैं और भगवान शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। वहीं कुंवारी कन्याएं अच्छे वर्ग की कामना के लिए यह व्रत करती हैं। उन्होंने कहा तीज का दूसरा नाम भाई-बहन के प्रेम का पर्व भी है। इस दिन सभी बहनें अपने मायके आती हैं। माता-पिता और भाई अक्सर बहनों का इंतजार करते हैं। यह पर्व परिवार को जोड़ने का काम करता है। छत्तीसगढ़ में तीजा को लेकर जो उत्साह होता है, वह देखते ही बनता है। उन्होंने आगे कहा कि यह दिन विवाहित महिलाएं अपने पति

बहनों ने इस परंपरा को जीवित रखा है, यह गर्व की बात है। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष ने पोरा पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पोरा छत्तीसगढ़ के किसानों का सबसे बड़ा पर्व है। यह पर्व बैलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है। यहां किसान और बैल का रिश्ता परिवार के सदस्य जैसा होता है। साल भर हमारे किसान भाई बैलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेतों में मेहनत करते हैं। पोरा के दिन किसान अपने बैलों को सजाते हैं, उनकी पूजा करते हैं, उन्हें खिचड़ी खिलाते हैं। यह हमारे कृषि संस्कृति की महानता को दर्शाता है। विक्रम कुरें ने कहा कि भटगांव क्षेत्र भी कृषि पर आधारित है और यहां पोरा का विशेष महत्व है।

भटगांव के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में नई ऊर्जा का संचार

भटगांव। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का पर्याय बन चुके नगर भटगांव के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी-अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में आज एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। विद्यालय की शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के नवनिर्वाह अध्यक्ष के रूप में नगर के प्रख्यात समाजसेवी, शिक्षाविद एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजकुमार जायसवाल ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन विद्यालय परिसर में बड़े ही गरिमामय और सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण, समिति के सदस्य, पालकगण और छात्र-छात्राओं ने नव नियुक्त अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा डॉ. जायसवाल को पुष्पमाला पहनाकर तथा श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं। जहां डॉ. राजकुमार जायसवाल विद्यालय परिसर पहुंचे, तो विद्यालय के एनसी और स्काउट के बच्चों ने पंक्तिबद्ध होकर उनका स्वागत किया। शिक्षकों ने तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया। प्राचार्य कक्ष में आयोजित संक्षिप्त पदभार समारोह में निवर्तमान समिति द्वारा किए गए



कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया और उसके बाद डॉ. जायसवाल ने अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। अपने पदभार ग्रहण के अवसर पर डॉ. जायसवाल ने कहा कि यह उनके लिए एक सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। वहीं पदभार लेने के बाद अपने प्रथम उद्घोषण में डॉ. राजकुमार जायसवाल ने कहा स्वामी आत्मानंद विद्यालय सिर्फ एक स्कूल नहीं है, यह पूरे बिलाईगढ़ अंचल के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों के सपनों का केंद्र है। यहां से पढ़कर बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और अधिकारी बन रहे हैं। इस विद्यालय की प्रबंधन समिति का अध्यक्ष बनना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य विद्यालय को शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ अनुशासन, संस्कार और सर्वांगीण विकास का मॉडल बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

यूरिया खाद खाकर आत्महत्या की कोशिश, डायल 112 ने बचाई 24 वर्षीय युवक की जान

रायपुर। पारिवारिक विवाद के बाद यूरिया खाद का सेवन कर आत्महत्या की कोशिश करने वाले 24 वर्षीय युवक की जान डायल 112 की त्वरित कार्रवाई से बच गई। सूचना मिलते ही पुलिस की आपातकालीन सेवा टीम मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कसडोल पहुंचाया। समय पर उपचार मिलने से युवक की हालत में सुधार हुआ और उसे होश आ गया। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस के अनुसार, 10 सितंबर को डायल 112 कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि थाना कसडोल क्षेत्र के ग्राम बरबसेपुर में एक युवक ने पारिवारिक विवाद के चलते आत्महत्या करने की नीयत से यूरिया खाद खा ली है। सूचना मिलते ही 112 ईआरवी टीम बिना देरी किए घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंची टीम ने युवक को गंभीर हालत में पाया। टीम ने तत्काल उसे 112 वाहन में लिताया और सायरन बजाते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने युवक का उपचार शुरू किया। समय पर अस्पताल पहुंचने और उपचार मिलने से उसकी हालत में सुधार आया तथा कुछ देर बाद उसे होश आ गया। युवक की जान बचने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। उन्होंने बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस और डायल 112 की टीम का आभार जताया।

पड़ोसी के घर से 33 हजार रुपये चोरी, 19 वर्षीय युवक और नाबालिग गिरफ्तार

रायपुर। रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मदनपुर में पड़ोसी के घर में घुसकर गुल्लक से 33 हजार रुपये चोरी करने के मामले में पुलिस ने कुछ ही घंटे में एक आरोपी और उसके नाबालिग साथी को पकड़ लिया। आरोपियों ने चोरी की रकम से मोबाइल फ़ोन खरीदे थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम मदनपुर निवासी नीलम श्यामले ने 8 सितंबर को रतनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 6 से 10 अगस्त के बीच वह घर पर नहीं था। इसी दौरान किसी ने घर का दरवाजा धक्का देकर खोला और अंदर रखी गुल्लक चोरी कर ली। गुल्लक में करीब 30 हजार रुपये रखे थे। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। पुलिस टीम ने मुखबिरों को सक्रिय कर संदिग्धों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान प्रार्थिया के घर के पास रहने वाले दो लोगों पर संदेह हुआ। पुलिस ने गौरव श्यामले (19), निवासी मदनपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में गौरव ने एक नाबालिग साथी के साथ मिलकर घर से गुल्लक चोरी करना स्वीकार किया। दोनों ने गुल्लक तोड़कर उसमें रखे 33 हजार रुपये आपस में बांट लिए थे। चोरी की रकम से मोबाइल फ़ोन खरीदने के साथ कुछ रकम खर्च भी कर दी थी।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू से हाहाकार, मरीजों का आंकड़ा 340 के पार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। 8 सितंबर को प्रदेश में एक दिन में 46 नए पॉजिटिव मरीज मिले हैं और अब कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 344 पहुंच चुकी है। अब प्रदेश के 24 जिलों में इस बीमारी का संक्रमण फैल चुका है। सप्ससे ज्यादा 146 मरीज रायपुर से मिले हैं। अस्पतालों में स्वाइन फ्लू से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। रायपुर के अलावा दुर्ग में 4, बिलासपुर और कोरबा में 3-3, जबकि बालोदाबाजार, बस्तर और महासमुंद में 2-2 नए मरीज मिले हैं। कुल 344 मरीजों में से 122 एक्टिव मरीज हैं। अब तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू से किसी मरीज की मौत दर्ज नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग मरीजों की निगरानी और उपचार कर रहा है। विशेषज्ञों ने बुखार के साथ लगातार खांस, सांस लेने में परेशानी या अत्यधिक कमजोरी होने पर बिना चिकित्सकीय सलाह दवा नहीं लेने की अपील की है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश के सभी सरकारी और जिला अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा है।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई, 31 पाव देशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर। अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत पिपरिया पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 31 पाव देशी प्लेन शराब, कुल 5.580 बल्क लीटर, और शराब परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 32,480 रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 9 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्य्क्ति अवैध रूप से शराब लेकर कान्हाभैरा की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी निरीक्षक नितिन कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गाँठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की गई। पुलिस टीम ने कॉलेज रोड नहर स्थित पानी टंकी, पिपरिया के पास घेराबंदी की। इसी दौरान सशस्त्र रूप से जा रहे दो व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली गई।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने दिए कड़े निर्देश

विकास कार्यों में तेजी और गुणवत्ता पर विशेष जोर-उपमुख्यमंत्री साव....

■ सड़कों व पुलों के निर्माण, जल जीवन मिशन, खेल गतिविधियों और नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा की, निर्माणाधीन कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने कहा

रायपुर/ संवाददाता
उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इन विभागों के स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा योजनाओं का लाभ नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश

वित्तीय अनुशासन एवं बीज उत्पादन में तेजी लाने के निर्देश-चंद्रहास.....

■ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने की विभागीय काम-काज की समीक्षा

रायपुर। संवाददाता
छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम मुख्यालय, रायपुर में आज बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रबंध संचालक अजय अग्रवाल सहित मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं समस्त बीज प्रबंधक उपस्थित थे। बैठक में आत्मनिर्भर दलहन योजना की प्रगति को विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने समयबद्ध कार्यप्रणाली, वित्तीय अनुशासन एवं बीज उत्पादन में तेजी लाने के निर्देश दिए। चन्द्राकर ने बैठक में सभी बीज प्रबंधकों से योजना की वर्तमान प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य में तेजी

किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो हर पात्र परिवार को समय पर और पूरा राशन मिले-साय.....

रायपुर/ एजेंसी
मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक पात्र परिवार को उसके अधिकार का पूरा राशन समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से पहाड़ी कोरवा सहित विशेष पिछड़ी जनजातियों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को राशन प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। राशन वितरण में लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदारी तय कर तत्काल कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री श्री

साय ने अधिकारियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की नियमित निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि शासन द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा खाद्यान्न वास्तविक हितग्राही तक निर्धारित मात्रा में और समय पर पहुंचे, यह संबंधित अधिकारियों

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण
उत्साह एवं आत्मविश्वास की सराहना की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जालबांधा एवं सलोनी आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों की आयु के अनुरूप खेल-खेल में सीखने, गतिविधि आधारित शिक्षा तथा बच्चों के अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास की मजबूत नींव प्रारंभिक अवस्था में ही तैयार होती है और इसमें आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जालबांधा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में आयोजित 9वें राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हुईं। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म में शामिल होकर उन्हें सुपोषण किट वितरित किए। साथ ही बच्चों का अन्नप्राशन कराते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल

कुपोषण पर कड़ा प्रहार: नारायणपुर के 13 हजार से अधिक स्कूली बच्चों को अब रोजाना मिलेगा मुफ्त पौष्टिक नाश्ता

नारायणपुर के 13 हजार से अधिक स्कूली बच्चों को अब रोजाना मिलेगा मुफ्त पौष्टिक नाश्ता

अतिक्रमण से मुक्त कर सड़क पर कब्जा करने वालो से लगभग 25000 रु. ई चालान वसूला गया

रायपुर। टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम क्षेत्र जोन कर्मांक 3 अंतर्गत जीई रोड में तेलीबांधा से मरीन ड्राइव तक नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता टीम और पुलिस कमिश्नरेट जोन क्षेत्र की टीम ने जनहित में जनसुविधा हेतु नागरिको को जीई मार्ग पर सुगम और सुव्यवस्थित यातायात उपलब्ध करवाने अभियान चलाकर कार्रवाई की और नागरिको की सुविधा की दृष्टि से तेलीबांधा से मरीन ड्राइव तक के मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करवाया और नागरिको को त्वरित राहत इससे प्राप्त हुई। नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग, नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता और रायपुर पुलिस कमिश्नरेट यातायात विभाग की टीम ने टीम प्रहरी अभियान के तहत तेलीबांधा से मरीन ड्राइव तक सडक को अतिक्रमण से मुक्त करवाया एवं सडक पर सामान रखकर व्यवसायत सडक के कब्जाधारी दुकानदारो से स्थल पर तत्काल कुल 25000 रु. का ई चालान दिया।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण
मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण

भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सक्षम योजना के अंतर्गत दो महिलाओं को ऋण सहायता के चेक भी प्रदान किए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि कुपोषण को कम करने के लिए गर्भावस्था से ही माताओं के खान-पान

और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को प्रोटीन एवं पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार देने, अभिभावकों द्वारा बच्चों के साथ पर्याप्त समय बिताने, उनसे बातचीत करने तथा मोबाइल के अत्यधिक

जमीन-मकान की विवाद में गई पत्नी की जान,हत्यारा पति गिरफ्तार,जेल दाखिल

रायपुर/ संवाददाता
जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 9 शांति नगर में बुधवार तड़के पति ने पत्नी की डंबल से घातक प्रहार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद वह रिश्तेदार के घर जाकर सो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कराया है। जानकारी के अनुसार शांति नगर में निवासरत रमेश डोंगरे पिता रामखिलावन 40 वर्ष ने करीब चार माह पहले ही बंधन कुंवर लगभग 39 वर्ष से दूसरा विवाह किया था। रमेश डोंगरे भी पूर्व से विवाहित था किंतु पत्नी से अलग रह रहा है। सुतरां निवासी बंधन कुंवर की भी पहले शादी हो चुकी थी व बच्चे भी हैं जिन्हें छोड़कर रमेश डोंगरे के साथ दुसरा विवाह रचाया। पाली थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कौशिक ने बताया कि मंगलवार की रात इन दोनों के बीच विवाद हुआ था। रमेश डोंगरे शराब के नशे में था। पत्नी के द्वारा रमेश डोंगरे से मांग की जा रही थी कि मेरे लिए जमीन ले लो, मेरे लिए मकान बना दो और इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। रात में विवाद के बाद दोनों सो गए किंतु बुधवार तड़के करीब 4 बजे उनके बीच फिर विवाद हुआ और तैश में आकर रमेश डोंगरे ने घर में रखे डंबल से पत्नी के चेहरे पर प्राणघातक प्रहार कर दिया। कई बार के प्रहार से बंधन कुंवर के नाक,मुंह और मांथे पर संघातिक चोट पहुंची और वह खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली। पत्नी को इस हालत में छोड़कर रमेश डोंगरे नशा के हालात में घर से निकल गया। इधर, सुबह होने के बाद जब घर में किसी तरह की हलचल नजर नहीं आई तो करीब 11 बजे रमेश डोंगरे की भाभी ने उनके घर में दस्तक दी। कोई आवाज ना आने पर वह जब भीतर घुसी और कमरे में देखा तो उसके होश उड़ गए। बिस्तर पर बंधन कुंवर खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली। भाभी ने परिजनों और आसपास के लोगों को बताया तथा सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनोज कौशिक ने मातहतों के साथ घटना स्थल पहुंचकर मौका मुआयना किया।

मानसून द्रोणिका सक्रिय तीन दिन तक बारिश का अलर्ट....
रायपुर। संवाददाता
सितंबर की शुरुआत में बारिश के बाद बड़ी गर्मी और उमस ने दुर्ग-भिलाई के लोगों को परेशान किया। दिनभर धूप और उमस के बीच दोपहर करीब 3 बजे कुछ हिस्सों में हल्की फुहारें पड़ीं। इससे थोड़ी देर के लिए राहत मिली, लेकिन बारिश थमते ही उमस फिर बढ़ गई। कम बारिश के कारण तापमान पर खास असर नहीं पड़ा। दुर्ग में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान एक-दो स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। हालांकिबारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। मौसम में बदलाव के पीछे कई मौसमी तंत्र सक्रिय हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे लगे बिहार के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। मानसून द्रोणिका भी सक्रिय है। वहीं, 11 सितंबर के आसपास पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तथा उससे लगे तटीय क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से प्रदेश में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, कुछ स्थानों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। अगले दो दिनों में बारिश की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं।



सरकारी रिकॉर्ड में खरीदी पूरी, गार्डन में झूला गायब, जांच की मांग

वार्ड 11 के गार्डन में 4.29 लाख के भुगतान पर उठे सवाल, आरटीआई दस्तावेजों के बाद जमीनी सत्यापन में नहीं मिला झूला

बालोद। सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों में कागजों पर खर्च और धरातल की हकीकत के बीच अंतर का एक मामला नगर पालिका परिषद बालोद के वार्ड क्रमांक 11 से सामने आया है। आरटीआई के जरिए प्राप्त दस्तावेजों और उनके आधार पर किए गए जमीनी सत्यापन के अनुसार, पार्षद निधि 2025-26 के तहत वार्ड 11 के गार्डन के लिए जिम सामग्री एवं झूला क्रय के नाम पर लाखों रुपये की खरीदी दर्ज है। दस्तावेजों में भुगतान भी पूरा हो चुका है, लेकिन जमीनी निरीक्षण के दौरान गार्डन में झूला नजर नहीं आया। इस स्थिति ने नगर पालिका की खरीद, आपूर्ति, स्थापना और भुगतान प्रक्रिया पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

4.47 लाख की खरीदी, कटौती के बाद 4.29 लाख भुगतान: नगर पालिका परिषद बालोद के उपलब्ध दस्तावेजों के मुताबिक, वार्ड क्रमांक 11 से संबंधित कार्य के लिए जेम के माध्यम से जिम सामग्री एवं झूला क्रय का आदेश दर्ज है। दस्तावेजों में कुल खरीद मूल्य 4,47,804



बताया गया है, जबकि विभिन्न कटौतियों के बाद 4,29,892 का भुगतान किया गया। रिकॉर्ड में संबंधित फर्म का नाम मेसर्स गुप्ता एसोसिएट्स एंड सप्लायर, सरगुजा दर्ज है। बिल की तारीख 11 जनवरी 2026 तथा भुगतान वाउचर की तारीख 9 फरवरी 2026 बताई गई है। यानी सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार खरीदी और भुगतान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। लेकिन सवाल यह है कि जिस सामग्री के लिए भुगतान हुआ, वह मौके पर कहां है।

जमीनी पड़ताल में नहीं दिखा झूला: भागवा (भारतीय गणवाता पार्टी) के जिला अध्यक्ष उमेश कुमार सेन द्वारा आरटीआई से प्राप्त जानकारी के आधार पर वार्ड 11 स्थित गार्डन

का जमीनी निरीक्षण किए जाने का दावा किया गया है। निरीक्षण के दौरान समिति को गार्डन में बच्चों के लिए खरीदा गया झूला दिखाई नहीं दिया। हालांकि, दस्तावेज में जिम सामग्री एवं झूला एक संयुक्त मद है, इसलिए पूरे 4.29 लाख को केवल झूले का भुगतान मानना उचित नहीं होगा। यही वजह है कि अब पूरी खरीद का मदवार और भौतिक सत्यापन महत्वपूर्ण हो गया है।

गार्डन की बदहाली ने बढ़ाई चिंता: मामला केवल झूले की मौजूदगी तक सीमित नहीं है। निरीक्षण के दौरान गार्डन की हालत भी सवालों के घेरे में बताई गई। परिसर में बेतरतीब खरपतवार और झाड़ियां, साफ-सफाई का अभाव तथा टूट-फूट के निशान

नजर आने की बात सामने आई है। जनता के लिए बनाए गए ऐसे सार्वजनिक स्थल यदि नियमित रखरखाव के अभाव में बदहाल हो जाएं, तो विकास कार्यों पर खर्च होने वाली राशि के उपयोग और उसकी निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। मामले में पारदर्शिता के लिए नगर पालिका प्रशासन से कई बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट किए जाने की जरूरत है। जैसे खरीदी गई सामग्री स्टॉक रजिस्टर में कब दर्ज हुई? जिम उपकरण और झूले की अलग-अलग लागत कितनी है? सामग्री को आपूर्ति और स्थापना का प्रमाण क्या है? भुगतान से पहले स्थल का भौतिक सत्यापन किस अधिकारी ने किया? क्या कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी किया गया था? यदि झूला वार्ड 11 के गार्डन में नहीं है तो वर्तमान में कहां स्थापित है? क्या सामग्री को किसी दूसरे स्थान पर लगाने के लिए सक्षम स्तर से अनुमति ली गई थी?

मकसद किसी पर आरोप लगाना नहीं, जवाबदेही तय करना: उमेश कुमार सेन का कहना है कि इस पड़ताल का उद्देश्य किसी व्यक्ति

विशेष पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि जनता के पैसे के इस्तेमाल में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। उनका कहना है कि यदि सरकारी रिकॉर्ड में खरीदी और भुगतान दर्ज है तो संबंधित सामग्री की उपलब्धता और स्थापना भी स्पष्ट रूप से सामने आनी चाहिए। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से खरीद, आपूर्ति, स्टॉक, निरीक्षण और स्थापना से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने तथा वार्ड 11 के गार्डन की स्थिति सुधारने की मांग की है। फिलहाल दस्तावेजों में दर्ज भुगतान और मौके पर दिखाई नहीं देने वाली सामग्री के बीच का अंतर कई सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि, किसी वितीय अनियमितता का अंतिम निष्कर्ष आधिकारिक जांच और संबंधित अभिलेखों के सत्यापन के बाद ही निकाला जा सकता है। अब निगाह नगर पालिका प्रशासन के जवाब पर है कि 4.29 लाख के भुगतान से जुड़ी सामग्री वास्तव में कहां है, उसका उपयोग कहां हुआ और भुगतान से पहले किन स्तरों पर उसका सत्यापन किया गया।

कृषक सेवा सहकारी समिति भटगांव में प्राधिकृत अधिकारी पर मनमानी और सहकारिता अधिनियम की धज्जियां उड़ाने का आरोप

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव की सबसे बड़ी कृषक सेवा सहकारी समिति भटगांव पंजीयन क्रमांक 1416 इन दिनों गंभीर अनियमितताओं और मनमाने क्रियाकलापों को लेकर चर्चा में है। जहां समिति के मनोनीत प्राधिकृत अधिकारी रामलाल साहू पर आरोप लग रहा है कि उनके द्वारा सहकारिता अधिनियम की खुलेआम धज्जियां उड़ते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया जा रहा है और नियमों को ताक पर रखकर चहेतों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। इस संबंध में प्राप्त दस्तावेजों और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार समिति में एक ऐसा कारनामा हुआ है, जो पूरे सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरालाल चंद्रा ने 19.08.2020 को विक्रेता के पद पर कार्यरत था। जहां हीरालाल चंद्रा ने 19.08.2020 को विक्रेता के पद छोड़ दिया था। और वह लगातार 06.12.2019 से 06.12.2024 तक लगभग 6 से 7 साल तक समिति से अनुपस्थित रहा। इतने लंबे समय तक बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहना सेवा नियमों के अनुसार स्वतः बर्खास्तगी की श्रेणी में आता है। लेकिन आश्चर्य की बात है कि 06.12.2024 को संस्था में एक प्रस्ताव पारित कर प्राधिकृत अधिकारी रामलाल साहू द्वारा बिना किसी उच्च अधिकारी के आदेश के हीरालाल चंद्रा को पुनः बहाल कर दिया गया। इतना ही नहीं, बहाली के तुरंत बाद हीरालाल चंद्रा को बाकायदा समिति में उपस्थिति दिलाकर उसे समिति प्रभारी भी बना दिया गया और उसी को धान खरीदी का प्रभारी भी बना दिया गया। जहां अब सवाल उठता है कि जो व्यक्ति 7 साल से गायब था, उसे इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी कैसे दे दी गई? वहीं नियमों के जानकार बताते हैं कि इस पूरी बहाली की प्रक्रिया ही नियम विरुद्ध है। छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 55(2) के अंतर्गत प्रावधान है कि यदि कोई कर्मचारी बर्खास्त होता है या लंबे समय



तक अनुपस्थित रहता है, तो उसकी बहाली का अधिकार सिर्फ प्राधिकृत अधिकारी को नहीं है। इसके लिए कर्मचारी को न्यायालय संयुक्त पंजीयक, सहकारी संस्थाएं के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करना होता है और वहां से पारित आदेश के आधार पर ही बहाली की कार्यवाही कराई जानी चाहिए लेकिन इस मामले में प्राधिकृत अधिकारी ने संयुक्त पंजीयक कार्यालय से कोई आदेश नहीं लिया। सीधे समिति स्तर पर प्रस्ताव बनाकर बहाली कर दी गई, जो पूरी तरह से अधिकार क्षेत्र से बाहर और नियम विरुद्ध है। यह सीधे-सीधे पद के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है।

2000 नग नया बरदाना घोटाला 1 लाख 70 हजार का मामला: हीरालाल चंद्रा पर आरोप और भी गंभीर हैं। जहां अपने कार्यकाल के दौरान हीरालाल चंद्रा ने नया बरदाना लगभग 2000 नग का कमी (गबन) कर दिया था। उस दौरान एक नग नया बरदाना की कीमत 85 रुपये थी। इस हिसाब से नियमानुसार हीरालाल चंद्रा को 1 लाख 70 हजार रुपये (2000×85= 1,70,000) की राशि संस्था में जमा करनी थी। लेकिन राशि जमा करने के बजाय हीरालाल चंद्रा ने सीधा-सीधा विक्रेता का पद ही छेड़ दिया और संस्था से 6 से 7 साल तक अनुपस्थित रहा। वहीं अब सवाल है कि क्या 1.70 लाख रुपये की वसूली की गई? क्या उस पर कोई एफएमआईआर दर्ज हुई? बिना वसूली के बहाली कैसे हो गई?

ग्राम तारुड में जवानों के स्वास्थ्य की हुई जांच, 70 जवानों का स्वास्थ्य परीक्षण

बीजापुर। 14वीं वाहिनी (भा/र) छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वारा विकासखंड भोपालपटनम के ग्राम तारुड में एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जवानों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समय पर चिन्हान एवं आवश्यक उपचार सुनिश्चित करना रहा। शिविर में जिला चिकित्सालय बीजापुर से सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर, आरएमओ एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. तरुण कंवर, एम.डी. मेडिसिन डॉ. राहुल रावैर सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मों उपस्थित रहे। चिकित्सा दल ने शिविर में उपस्थित जवानों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार प्रदान किया। शिविर के दौरान कुल 70 जवानों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच में आर्थराइटिस के 08, हाइपरटेंशन के 03, डायबिटीज के 02, कोर्टैक्ट डेंडेंटाइटिस का 01, शोल्डर जॉइंट मूवमेंट में प्रतिबंध का 01 तथा डायबिटिक रेटिनोपैथी का 01 प्रकरण चिन्हकित किया गया। चिन्हकित जवानों को संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के



अनुसार उपचार एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। जिन जवानों को आगे की जांच अथवा उपचार की आवश्यकता थी, उन्हें उसके संबंध में भी उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। चिकित्सा शिविर के माध्यम से जवानों के स्वास्थ्य की जांच के साथ-साथ विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान और उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

सीसी सड़क निर्माण का भूमिपूजन, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह ने किया शुभारंभ

किरंदुल। नगर पालिका क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देते हुए वार्ड क्रमांक 1 में सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। यह सड़क आनंद सिंह के घर से लेकर बुधराम मांडवी पर तक अंधो संचनान मद से 200 मीटर बनाई जाएगी, जिससे वार्डवासियों को लंबे समय से हो रही परेशानी से निजात मिलेगी। भूमि पूजन कार्यक्रम नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशि भूषण महापात्र सहित वार्ड के जनप्रतिनिधि,गणमान्य नगरपालक एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी सिंह ने कहा कि नगर के हर वार्ड में विकास कार्य प्राथमिकता के साथ किए जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 1 की यह सड़क



वार्डवासियों की पुरानी मांग थी, जिसे आज पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किरंदुल को स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त बनाना हमारी पहली प्राथमिकता है।मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से और समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा।

नवमी कक्षा में अध्ययनरत छात्राओं को योजना के तहत मिला लाभ, दीपिका शोरी बोलीं—बेटियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता सरकार की प्राथमिकता

सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों की राह हुई आसान पोटाकेबिन की 50 छात्राओं को मिली निशुल्क साइकिल

सुकमा। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने और उनकी पढ़ाई को सुगम बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित सरस्वती साइकिल योजना के तहत शासकीय आवासीय बालिका हाईस्कूल पोटाकेबिन आरएमएसए में अध्ययनरत कक्षा नवमी की 50 छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरित की गई। साइकिल मिलने से छात्राओं में उत्साह का माहौल रहा। छात्राओं ने शासन की इस पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साइकिल मिलने से आवागमन में सुविधा होगी और पढ़ाई के लिए समय की बचत भी होगी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी, भाजपा जिलाध्यक्ष धनोराम बारसे, जिला महामंत्री विश्वराज चौहान, नगरपालिका अध्यक्ष हूंगाराम, उपाध्यक्ष भुवनेश्वरी यादव, पार्षद रंजीत बारठ, रमेश सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना योजना का उद्देश्य: छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना का उद्देश्य विशेष रूप से छात्राओं को माध्यमिक शिक्षा से जोड़ना और उन्हें विद्यालय तक नियमित रूप से पहुंचने में सुविधा प्रदान करना



है। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कई बार विद्यालय घर से दूर होने के कारण बालिकाओं की पढ़ाई प्रभावित होती है। आवागमन की सुविधा नहीं होने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में परेशानी होती है और कई परिवारों के लिए निजी साधन उपलब्ध कराना भी कठिन होता है। ऐसे में शासन द्वारा पात्र छात्राओं को निशुल्क साइकिल उपलब्ध करारकर उनकी शिक्षा की राह आसान करने का प्रयास किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य केवल साइकिल उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि बालिकाओं को नियमित शिक्षा से जोड़ना, स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति को कम करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाना है।

साइकिल मिलने से छात्राओं में दिखा उत्साह: कार्यक्रम के दौरान जब नवमी कक्षा की छात्राओं को साइकिल वितरित की गई तो उनके चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। छात्राओं ने कहा कि साइकिल उनके लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि पढ़ाई के सफर को आसान बनाने वाला माध्यम है। इससे विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी और समय की भी बचत होगी।

दीपिका शोरी ने कहा—शिक्षित बेटी ही मजबूत समाज की नींव: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने छात्राओं को

शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियों की शिक्षा समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है। सरकार द्वारा बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। शासन की योजनाओं का लाभ सीधे छात्राओं तक पहुंचना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दीपिका शोरी ने छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और अपने माता-पिता एवं जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया,उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए विद्यार्थियों और विशेष रूप से बालिकाओं के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरस्वती साइकिल योजना भी इसी उद्देश्य की महत्वपूर्ण कड़ी है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का सदुपयोग करते हुए वे नियमित रूप से विद्यालय आएँ और बेहतर शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को मजबूत बनाएं।

तैराकी में बीजापुर के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

बीजापुर। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता 2026-27 में बीजापुर स्पोर्ट्स अकैडमी के तैराकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले को गौरवान्वित किया है। बिलासपुर में 3 से 6 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता की तैराकी स्पर्धा में बीजापुर के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में 8 स्वर्ण, 14 रजत और 8 कांस्य सहित कुल 30 पदक अपने नाम किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर अंडर-19 छात्राओं ने द्वितीय तथा अंडर-14 छात्राओं ने तृतीय स्थान प्राप्त कर बख्तर संभाग का नाम रोशन किया। अंडर-14 वर्ग में सघना ने 2 स्वर्ण और 2 रजत पदक हासिल किए। अक्षय ने 1 रजत, सुभाष ने 1 कांस्य तथा तमन्ना ने 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीता। अंडर-17 वर्ग में बबलू ने 3 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक जीताकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सरैया ने 1 रजत और 1 कांस्य, संदीप ने 1 कांस्य, रीता ने 3 रजत, गुंजन ने 1 रजत और 1 कांस्य, रमादेवी ने 1 रजत और 1 कांस्य तथा साधना ने 1 रजत पदक अपने नाम किया। अंडर-19 वर्ग में साधना ने 2 स्वर्ण और 2 रजत, जबकि अंशिता ने 1 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के पीछे उनकी नियमित अभ्यास, कड़ी मेहनत और



अनुशासन के साथ प्रशिक्षक दीप्ति वर्मा के तकनीकी प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खिलाड़ियों की सफलता से बीजापुर स्पोर्ट्स अकैडमी और जिले में उत्साह का माहौल है। कलेक्टर विश्वदीप एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षक को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ते हुए जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी, राजेश पाण्डेय, डीएमसी भवानी शंकर रेड्डी, सहअध्यक्ष आयुक्त आदिवासी विकास देवेन्द्र कुमार पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बीजापुर के तैराकों की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि संसाधनों और अवसरों के साथ सही प्रशिक्षण एवं निरंतर मेहनत मिले तो जिले की प्रतिभाएं राज्य स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं।





भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, दूर होंगी सभी विघ्न-बाधाएं

गणपति बप्पा मोरया अब हर जगह पर आपको यही आवाज सुनाई देगी। 14 सितंबर से गणपति का आगमन हो रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। किसी ने मंदिर को सजाना शुरू कर दिया है, तो किसी ने अपने घर में गणपति को रखने के लिए जगह सजनी शुरू कर दी है। लेकिन आपको गणपति लाने से पहले कई सारी चीजें हैं, जिनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपका पूजन संपन्न होता है। साथ ही, आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है। चलिए आपको बताते हैं कौन सी बातें हैं, जिन्हें जानना जरूरी होता है।

गणेश जी को चढ़ाएं दुर्वा की माला
गणेश जी को दुर्वा बेहद प्रिय होती है। इसलिए कई सारे लोग गणेश पूजन के समय इसे गणपति जी को जरूर चढ़ाते हैं। लेकिन गणेश उत्सव के समय अगर आप 51 दुर्वा दुर्वा की माला चढ़ाएंगी, तो इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी। लेकिन यह आपको तब तक चढ़ानी है, जब तक आपके घर में गणपति विराजमान हैं। इससे आपके घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी। साथ ही, आपकी सारी इच्छा पूरी हो जाएगी।

गणेश जी को चढ़ाएं सिंदूर
हम सभी को यह तो पता है कि हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। लेकिन यह वही लोग चढ़ाते हैं, जिनकी मांगी हुई इच्छा पूरी होती है। आप इसी सिंदूर को गणपति को चढ़ाएं। इससे भी आपकी इच्छा पूरी होगी। इस सिंदूर को आप अपने घर में रखें गणपति पर चढ़ाएं। इसके बाद रोजाना इसका टिका लगाएं। इससे आपके सारे काम बन जाएंगे।

इन मंत्रों का करें जाप
गणेश पूजन के समय घर में सुबह और शाम पूजा होती है। इस पूजा में आरती की जाती है। लेकिन अगर आपको भगवान गणेश को प्रसन्न करना है, तो इसके लिए आप एक मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। गणेश पूजा मंत्र- ॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥ इस मंत्र का जप करें। आप चाहें तो इसे किसी पेपर पर भी लिख सकती हैं। इससे आपके सारे काम बनने शुरू हो जाएंगे। इस मंत्र को आपको रोजाना चेट करना है। भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को करें। इससे आपकी सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी और सफलता प्राप्त होगी। इस दिन की गई आराधना से बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है, जिससे मानसिक शांति और सफलता की प्राप्ति होती है। इसलिए आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए। पंडित जी के बताए गए इन उपायों को करने से आपके सारे काम बन जाएंगे। साथ ही, आपकी इच्छाएं पूरी होगी।



गणेश चतुर्थी कब है शुभ तिथि, योग, मुहूर्त और पूजा का महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान बप्पा की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। बप्पा सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता है। इनकी पूजा करने के बाद ही देवी-देवता की पूजा करने का मान्यता है। आपको बता दें, वैसे तो हर महीने चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। लेकिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है। वहीं अनंत चतुर्थी के दिन बप्पा को विदा करते हैं। अब ऐसे में इस साल गणेश चतुर्थी कब से आरंभ हो रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त कब है। इस पर्व का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन पूजा का महत्व क्या है?
भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और



बुद्धि का देवता भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है और ज्ञान प्राप्त होता है। गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गणेश चतुर्थी कब है?
पंचांग की गणना के अनुसार, चतुर्थी तिथि का आरंभ 14 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 6 मिनट पर आरंभ होगी और 15 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 45 मिनट पर खत्म होगी। ऐसी मान्यता है कि गणेशजी का जन्म दोपहर के समय हुआ था।



सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दौरान भक्त गणपति बप्पा की प्रतिमा अपने घर में स्थापित करते हैं।

इसलिए गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर को ही मनाया जाएगा।

इस बार 12 दिनों का रहेगा गणेश उत्सव

गणेश उत्सव आमतौर पर 10 दिनों का होता है, लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार गणना और तिथियों के विशेष संयोग के कारण वर्ष 2026 में गणेशोत्सव 12 दिनों तक मनाया जा रहा है। यह एक दुर्लभ खगोलीय व धार्मिक संयोग है, जो लगभग 9 साल बाद (2017 के बाद) बन रहा है। इस बार कई शुभ योग में यह गणेश उत्सव मनाया जाएगा। कारण: चन्द्र पंचांग के अनुसार तिथियों के घटने-बढ़ने (वृद्धि तिथि) और सूर्योदयकालीन तिथि गणना के कारण चतुर्थी तिथि से अनंत चतुर्दशी तक की कुल अवधि 12 दिनों की हो रही है।

घर में कितने दिनों तक रखनी चाहिए बप्पा की मूर्ति?

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल गणेशोत्सव की शुरुआत 14 सितंबर से हो रही है। इस दौरान लगभग सभी अपने घरों में गणपति को स्थापित कर उनकी पूजा करते हैं। गणेश जी को वैसे तो घर में पूरे 10 दिनों तक रखने का विधान है। आखिरी दिन नदी, कुंड या तालाबों में विसर्जित कर दिया जाता है, लेकिन श्रद्धा, भक्ति और क्षमता के अनुसार लोग 1, 3, 5 या 7 दिनों तक भी घर में गणपति जी को रखकर उनकी विदाई कर सकते हैं। हालांकि, अधिकांश भक्त अनुष्ठान पूजा के बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर बप्पा की विदाई करते हैं।



गणपति स्थापना में कलश क्यों है जरूरी? कौन सी 7 चीजें रखते हैं कलश में

गणेश चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है, इस दिन घरों और पंडालों में विधि-विधान से गणपति की स्थापना की जाती है, इस बार गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर दिन सोमवार को मनाया जाएगा, हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को घरों और पंडालों में गणेशजी की स्थापना की जाती है और पर्व की शुरुआत हो जाती है, 10 दिन तक चलने वाले इस पर्व का समापन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि यानी अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन के साथ हो जाता है, गणपति स्थापना की पूजा में मूर्ति के साथ कलश स्थापना का भी विशेष महत्व माना गया है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलश को शुभता, समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है, भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता कहा जाता है, मान्यता है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेशजी की पूजा करने से कार्य में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है, गणेश चतुर्थी पर घर में गणपति की स्थापना करना श्रद्धालुओं के लिए भगवान के स्वागत का प्रतीक है, पूजा के दौरान भक्त भगवान गणेश को दुर्वा, मोदक, लड्डू और लाल फूल अर्पित करते हैं, इसके बाद आरती और मंत्र-जाप किया जाता है, गणपति स्थापना केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि परिवार में सुख-शांति, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा की कामना से जुड़ी परंपरा भी है,

कलश में रखी जाने वाली 7 चीजें
स्वच्छ जल, अक्षत यानी चावल, सुपारी, सिक्का, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, नारियल

गणेश स्थापना के लिए कैसे रखें कलश

धार्मिक मान्यताओं में कलश को मंगल, शुभता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है, गणेश स्थापना के समय पूजा स्थल को साफ करके चौकी पर कलश रखें, हमेशा गणेश स्थापना से पहले पूजा स्थल की शुद्धि करके कलश की स्थापना की जाती है, कलश में शुद्ध जल भरें और उसमें अक्षत, गंगाजल, सुपारी व सिक्का डालें, कलश के मुख पर आम या अशोक के पत्ते रखें और ऊपर नारियल स्थापित करें, कलश के पास भगवान गणेश की मूर्ति रखें, इसके बाद कलश और गणपति का विधिवत पूजन करें, हालांकि कलश स्थापना की विधि और उसमें रखी जाने वाली सामग्री अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों की धार्मिक परंपराओं के अनुसार थोड़ी अलग हो सकती है, इस प्रकार कलश और गणपति स्थापना का संबंध पूजा की पवित्रता, शुभता और मंगलकामना से जुड़ा हुआ है, मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान से की गई गणेश पूजा से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन से विघ्न दूर करते हैं,



गणपति बप्पा की पूजा करने से मिलते हैं ये लाभ, पूरी होती है सारी मनोकामना

हमारे देश में आजकल पूजा-पाठ भी सुविधा के अनुकूल हो गई है। पहले आराधना का अर्थ सर्वोच्च शक्ति को याद करते हुए मंत्रों और अनुष्ठानों में पूरे दिल और आत्मा से लगना होता था। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे तकनीकी छलांग बढ़ती जा रही है, देवताओं की पूजा की पूरी अवधारणा में व्यापक बदलाव आया है। आज लोगों को दूसरों से बात करते, टीवी देखते और यहां तक कि खाते या पीते हुए भी अपने देवता के नाम का जाप करते देखा जा सकता है। यह सब आज लोगों की पूजा का तरीका है। **बुद्धि-** भगवान गणेश का हाथी वाला सिर ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए अगर आप गणेश की पूजा करती हैं तो आप जानबूझकर या अवचेतन रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। अगर आपने भगवान गणेश को अपने सर्वोच्च देवता के रूप में पूजा करने के लिए चुना है तो इसका मतलब है कि आपको उनकी शक्तियों में से एक के रूप में

ज्ञान पसंद है। इस प्रकार रोजाना भगवान गणेश की पूजा करना जीवन की आपकी सर्वोच्च प्रार्थमिकताओं की याद दिलाता है और आप ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसका पीछा करते हैं। **सौभाग्य** - ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश सौभाग्य और धन के देवता हैं। अगर आप उनकी भक्त बन जाती हैं और भाग्य को प्राप्त करने के लिए अपने दिल से काम करती हैं तो आप खाली हाथ नहीं लौटेंगी। आप सम्पर्ण की एक उन्नत अवस्था प्राप्त करेंगी और अपने जीवन में धन और शक्ति की प्रचुरता की ओर आसानी से काम करेंगी। आपको बस अपने वास्तविक जीवन में उनके पाठों का पालन करना है। अगर आप अक्सर अपना आपा खो देती हैं तो धैर्य क्रोध को नियंत्रित करने की कुजी है। भगवान गणेश के बड़े कान इस बात का प्रतीक हैं कि वह एक अच्छे श्रोता हैं और अगर आप खुद को उनके प्रति समर्पित करती हैं और अपने आंतरिक शक्ति पर ध्यान केंद्रित करती हैं तो

आपमें धीरे-धीरे समान स्तर का धैर्य विकसित होता है। यह निश्चित रूप से आपको एक बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा। **समृद्धि** - हर कोई एक समृद्ध और हेल्दी जीवन का सपना देखता है और यह बहुत हद तक आपके द्वारा चुनी गई जीवनशैली पर निर्भर करता है। जब आपने भगवान गणेश को अपना देवता चुना और उन्हें अपनी पूजा अर्पित की, तो आप उत्साहपूर्वक सफलता प्राप्त करने की दिशा

सभी बाधाएं होती हैं दूर

गणेशजी को विघ्नहर्ता माना जाता है। जब आप पूरे विश्वास के साथ भगवान गणेश की पूजा करते हैं तो वह आपका मार्गदर्शन करते हैं और आपको सभी चीजों से लड़ने का साहस प्रदान करते हैं। आप अपने डर पर विजय पाकर अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर सकती हैं। आप अपने अंदर छिपे गुणों को अनलॉक करती हैं और किसी भी मुश्किल स्थिति को आसानी से पार कर लेती हैं।



में काम करती हैं। आप खुद को दृढ़निश्चयी और आसानी से तैयार पाएंगी जो आपको आपकी भलाई की ओर ले जाएंगी। **आपकी आत्मा शुद्ध होगी** - भगवान गणेश में ध्यान और विश्वास करने से आप अपने आवरण में अंतर को नोटिस और शांति की भावना का अनुभव कर सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई भी अपना जीवन उसके प्रति समर्पित करता है वह आत्मा को शुद्ध कर देते हैं क्योंकि आप अच्छे कार्यों पर ध्यान केंद्रित और अपने जीवन में नकारात्मकता को दूर करती हैं जिससे आपकी आत्मा शुद्ध होती है। **ज्ञानी बनेंगे हैं आप** - भगवान गणेश सभी देवताओं में सबसे बड़े ज्ञानी माने जाते हैं। यह उनके सबसे मजबूत गुणों में से एक है। जब आप उसे आत्मज्ञान के एकमात्र मकसद से पूजती हैं तो आप खुद को रूपांतरित होते देखेंगी।

बालोद में आदिवासी जमीनों पर अब चलेगा प्रशासन का डंडा

सामान्य के नाम पर खरीदी गई जमीनों की होगी पड़ताल, कागजों में मालिक कोई और तो जमीन पर कब्जा किसका. ?



बालोद। जिले में आदिवासी खातेदारों की जमीनों की सामान्य वर्ग के लोगों के नाम पर खरीद-बिक्री और रजिस्ट्री को लेकर अब प्रशासन की नजरें टेढ़ी हो सकती हैं। आदिवासियों की जमीनी सिधे अपने नाम पर खरीदने के बजाय नौकर, रिस्तेदार, परिचित या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर खरीदकर उसका वास्तविक इस्तेमाल करने के मामलों की जांच के निर्देशों ने जिले में हलचल बढ़ा दी है। खास बात यह है कि बालोद जिले में पूर्व में आदिवासी खातेदारों की जमीनों की सामान्य वर्ग के नाम पर बिक्री और रजिस्ट्री होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। कई स्थानों पर ऐसी जमीनों के उपयोग को लेकर भी

सवाल उठते रहे हैं। अब प्रशासन यह जांच सकता है कि जमीन कागजों में भले ही किसी अन्य व्यक्ति के नाम हो, लेकिन उसका वास्तविक कब्जा और उपयोग कौन कर रहा है। यदि जांच में नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो जमीन के हस्तांतरण को चुनौती देने से लेकर उसे मूल आदिवासी खातेदार के नाम वापस करने की कार्रवाई तक हो सकती है।

बालोद में पुराने सौदों की खुल सकती है फाइल

राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की पहल के बाद महानिरीक्षक पंजीयन ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को आदिवासी भूमि से जुड़े मामलों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। इसका असर बालोद जिले में भी दिखाई दे सकता है। प्रशासन के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यह होगा कि जिन आदिवासी जमीनों की पहले ही रजिस्ट्री हो चुकी है, उनमें वास्तविक खरीदार और वास्तविक लाभार्थी कौन हैं..? यदि किसी जमीन की रजिस्ट्री किसी आदिवासी के नाम से निकलकर सामान्य व्यक्ति के नाम हुई है, लेकिन उसका वास्तविक उपयोग कोई तीसरा व्यक्ति या संस्था कर रही है, तो ऐसे मामलों की भी पड़ताल की जा सकती है।

कागज में किसी का नाम, जमीन पर किसी और का कब्जा

निर्देशों का सबसे अहम पहलू यही है कि जांच केवल दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहेगी। प्रशासन यह भी देख सकता है कि जमीन पर वर्तमान में किसका कब्जा है, खेती या व्यावसायिक गतिविधि कौन कर रहा है और उससे होने वाले वास्तविक लाभ किसे मिल रहा है। बालोद जिले में ऐसी जमीनों पर व्यावसायिक गतिविधियाँ, पतिष्ठानों अथवा औद्योगिक उपयोग की शिकायतें और चर्चाएं भी सामने आती रही हैं। यदि किसी मामले में आदिवासी भूमि का हस्तांतरण नियमों के विपरीत पाया जाता है और उस जमीन पर उद्योग या प्लांट स्थापित होने की पुष्टि होती है, तो ऐसे मामलों में भी जमीन के मूल हस्तांतरण की वैधालिकता की जांच महत्वपूर्ण होगी। बताया जा रहा है कि डौंडीलोहारा एवं डौंडी ब्लॉक में आदिवासियों की जमीनों पर उद्योग, प्लांट सहित विभिन्न गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं। जिसकी जांच किया जाना अतिआवश्यक है।

औद्योगिक उपयोग वाली जमीनों पर भी उठेंगे सवाल

बालोद जिले में यदि किसी आदिवासी भूमि के मामले में यह सामने आता है कि जमीन सामान्य व्यक्ति के नाम रजिस्टर्ड होने के बाद उस पर उद्योग, प्लांट अथवा अन्य व्यावसायिक गतिविधि स्थापित की गई है, तो प्रशासन संबंधित जमीन के मूल हस्तांतरण, अनुमति, नामांतरण, कब्जे और वर्तमान उपयोग की वैधालिकता की जांच कर सकता है। नियम विरुद्ध हस्तांतरण प्रमाणित होने पर जमीन के संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा कागज़ के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। यानी कार्रवाई का सीधा मतलब यह नहीं होगा कि हर पुरानी रजिस्ट्री स्वतः रद्द हो जाएगी। पहले रिकॉर्ड, कब्जे और हस्तांतरण की वैधालिकता की जांच होगी, संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर मिलेगा और उसके बाद सक्षम प्राधिकारी कागज़ के तहत अंतिम निर्णय लेगा।

रजिस्ट्री के समय ही लगेगा ब्रेक

महानिरीक्षक पंजीयन के निर्देशों में रजिस्ट्री अधिकारियों को आदिवासी भूमि से जुड़े दस्तावेजों की बारीकी से जांच करने कहा गया है। राजस्व रिकॉर्ड, बिक्री नकल, नक्शा और जमीन की पहचान से जुड़े दस्तावेजों का मिलान किया जाएगा। रिकॉर्ड में संदेह होने पर तहसीलदार से सत्यापन कराने के निर्देश हैं। यानी अब संदिग्ध दस्तावेज सामने आने पर रजिस्ट्री की प्रक्रिया आगे बढ़ने से पहले ही मामला जांच के लिए रोका जा सकता है। छूटे-छूटे टुकड़ों में आदिवासी जमीन की बिक्री और रजिस्ट्री के मामलों में भी विशेष सावधानी बरतने कहा गया है।

नाम बदलने से नहीं बचेगी जमीन. ?

प्रशासन के सामने अब यह भी जांच का विषय हो सकता है कि आदिवासी जमीन किसी दूसरे व्यक्ति के नाम कराने के पीछे वास्तविक लाभार्थी कौन है। यदि दस्तावेजों में एक व्यक्ति खरीदार है, लेकिन जमीन का पैसा किसी और ने दिया, कब्जा किसी और का है और उपयोग भी कोई तीसरा व्यक्ति कर रहा है, तो पूरे लेन-देन की वास्तविकता जांची जा सकती है। नियमों का उल्लंघन साबित होने पर सिर्फ नामांतरण निरस्त करने तक कार्रवाई सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जमीन को मूल आदिवासी खातेदार के नाम वापस करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

बालोद में बड़े सवाल, कितनी जमीनें गईं, किसके नाम हुईं. ?

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि बालोद जिले में पिछले वर्षों में आदिवासी खातेदारों की कितनी जमीनें सामान्य वर्ग के नाम पर रजिस्टर्ड हुईं..? इनमें से कितनी जमीनों पर वर्तमान में मूल खातेदार का कब्जा है और कितनी जमीनें दूसरे लोगों के कब्जे में हैं..? कितनी जमीनों का व्यावसायिक या औद्योगिक उपयोग हो रहा है..? और कितने मामलों में जमीन खरीदने वाले के पीछे कोई वास्तविक लाभार्थी छिपा हुआ है..? यदि जिला प्रशासन तहसीलदार और खसरावार रिकॉर्ड की जांच करता है तो आदिवासी भूमि के नाम पर हुए पुराने सौदों की परतें खुल सकती हैं। विशेषकर औद्योगिक और व्यावसायिक उपयोग वाली जमीनों की जांच में यह स्पष्ट हो सकता है कि जमीन का हस्तांतरण किस प्रि या के तहत हुआ और वर्तमान में उसका लाभ कौन उठा रहा है।

अब प्रशासन की अगली कार्रवाई पर नजर

राज्य स्तर से मिले निर्देशों के बाद बालोद जिला प्रशासन के सामने आदिवासी भूमि संरक्षण की बड़ी जिम्मेदारी है। यदि प्रशासन पुराने रिकॉर्ड खंगालता है और संदिग्ध रजिस्ट्रियों की जांच करता है तो लंबे समय से चले आ रहे भूमि हस्तांतरण के मामलों की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि बालोद जिले में प्रशासन इन निर्देशों की सिफरवाई रजिस्ट्रियों तक सीमित रखता है या वर्षों पुराने आदिवासी भूमि हस्तांतरण, नामांतरण, कब्जे और औद्योगिक उपयोग वाले मामलों की भी खसरा-वार जांच शुरू करता है।

ऐसे होगी प्रशासन की कार्रवाई

आदिवासी जमीन के संदिग्ध हस्तांतरण की शिकायत या रिकॉर्ड सामने आने पर प्रशासन सबसे पहले संबंधित जमीन का खसरा नंबर, मूल आदिवासी खातेदार, वर्तमान भू-स्वामी, रजिस्ट्री दस्तावेज, नामांतरण और राजस्व रिकॉर्ड खंगालेगा। इसके बाद मौके पर जाकर यह भी जांच की जा सकती है कि जमीन पर वास्तविक कब्जा किसका है और उसका उपयोग कौन कर रहा है। यदि दस्तावेजों और मौके की स्थिति में अंतर मिलता है तो संबंधित पक्षों से जवाब लिया जाएगा और मामले का तहसील स्तर पर वैधानिक परीक्षण कराया जाएगा। जरूरत पड़ने पर तहसीलदार अथवा सक्षम राजस्व अधिकारी के समक्ष प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार सुनवाई की जाएगी।

डी.ए.वी. स्कूल जांता में छात्र संसद का शपथ ग्रहण संपन्न

बेमेतरा। शिक्षा और संस्कार के अग्रणी केंद्र डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता, बेमेतरा में शनिवार, 12 सितंबर 2026 को «छात्र संसद शपथ ग्रहण एवं पुरस्कार वितरण समारोह» अत्यंत भव्यता और हथोल्हस के साथ संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए विद्यालय प्रांगण में पालकगण और प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे देश और समाज की दो महान विभूतियों के ओजस्वी विचारों ने वहां मौजूद हर एक छात्र और राष्ट्रभक्त के रोंगटे खड़े कर दिए। समारोह की शुरुआत में विद्यालय के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने अतिथियों का आत्मीय और जोरदार स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने दोनों मुख्य अतिथियों के जीवन संघर्ष और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज हमारे छात्र-छात्राओं का सौभाग्य है कि उन्हें ऐसी महान शक्तियुक्तों का मार्गदर्शन मिल रहा है, जो खुद राष्ट्र निर्माण के जीवंत उदाहरण हैं। प्राचार्य के इस



ऊर्जावान उद्बोधन ने पूरे कार्यक्रम की पृष्ठभूमि तैयार कर दी और पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, ओएनजीसी के सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर और प्रादेशिक सेना के लेफ्टिनेंट राहुल सर ने जब मंच संभाला, तो माहौल पूरी तरह से देशभक्ति के रंग में रंग गया। उन्होंने अपने संबोधन में भारतीय सेना (आर्मी) के शौर्य, अनुशासन और देश सेवा के कड़े अनुभवों को साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अनुशासन ही सफलता की पहली सीढ़ी है, चाहे आप सीमा पर बंदूक

थामे हों या स्कूल में छात्र संसद के रूप में तैयार कर दी और पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, ओएनजीसी के सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर और प्रादेशिक सेना के लेफ्टिनेंट राहुल सर ने जब मंच संभाला, तो माहौल पूरी तरह से देशभक्ति के रंग में रंग गया। उन्होंने अपने संबोधन में भारतीय सेना (आर्मी) के शौर्य, अनुशासन और देश सेवा के कड़े अनुभवों को साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अनुशासन ही सफलता की पहली सीढ़ी है, चाहे आप सीमा पर बंदूक

स्तंभ ने बच्चों को जीवन में सर्वांगीण विकास करने और हर चुनौती को अवसर में बदलने का एक अद्भुत विजन दिया, जिसे सुनकर पालक और शिक्षक दोनों मंत्रमुग्ध हो गए। समारोह के मुख्य चरण में मुख्य अतिथियों के गरिमामयी हार्थों द्वारा नवनिर्वाचित छात्र संसद के हेड बॉय, हेड गर्ल और अन्य छात्र पदाधिकारियों को पद, कर्तव्य और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

इसके तुरंत बाद प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें शैक्षणिक, खेलकूद और अन्य विधाओं में विद्यालय का नाम रोशन करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को विशेष अवार्ड देकर पुरस्कृत किया गया। अपने बच्चों को देश की इतनी बड़ी हस्तियों से सम्मानित होते और लीडरशिप की जिम्मेदारी संभालते देखना हर माता-पिता के लिए भावुक और अत्यंत गर्व का क्षण रहा। अंत में, डी.ए.वी. विद्यालय परिवार ने इस भव्य और सफल आयोजन के लिए सभी पालकों और अतिथियों का सहृदय आभार व्यक्त किया।



दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा /जिला किसान संघ बालोद और डौंडीलोहारा क्षेत्र के किसानो ने सरकार के द्वारा एग्री स्ट्रेक पंजीयन को इतना जरूरी बनाने और दबाव पूर्ण पंजीयन करवाने का विरोध किया है,घर का मुखिया किसान एक, जमीन और खेती का विवरण परिवार से जुड़ा-फिर हर हिस्सेदार का सामूहिक पंजीयन क्यों जबकि धान को केवल घर का केवल एक ही सदस्य बेचेगा? क्षेत्र में एग्री स्ट्रेक पोर्टल में पंजीयन को लेकर किसानों के बीच असमंजस और परेशानी बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और पूर्व पालकों और अतिथियों का सहृदय आभार व्यक्त किया।

तीजा पर मायके गई बहनों के पतियों की चिंता, विधायक

रिकेश सेन ने की निःशुल्क भोजन की व्यवस्था

भिलाई नगर, 14 सितंबर। छत्तीसगढ़ के लोकपर्व तीजा के अवसर पर वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन ने जनसेवा की एक अनूठी और सराहनीय पहल की है। तीजा पर मायके गई बहनों के भाइयों के लिए 14 सितंबर को निःशुल्क भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। विधायक को इस पहल में सेवा के साथ-साथ अपनत्व और सामाजिक सरोकार की भावना भी दिखाई देती है।



आपको बता दें कि दिन के भोजन की व्यवस्था श्रीराम रसोई, नेहरू नगर, विधायक कार्यालय के सामने तथा राम रसोई, हनुमान मंदिर के पास सुपेला में की गई है। वहीं रात्रि भोजन के लिए वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न रेस्टोरेंट में निःशुल्क भोजन की व्यवस्था रहेगी।

रात्रि भोजन का लाभ लेने के लिए श्वेताम्बर जैन मंदिर के सामने, जीरो रोड, शांतिनगर स्थित विधायक रिकेश सेन के कार्यालय से कूपन वितरित किए जाएंगे। इच्छुक भाई विधायक कार्यालय से कूपन प्राप्त कर निर्धारित स्थान पर कूपन दिखाकर रात्रि भोजन कर सकेंगे।

विधायक रिकेश सेन की यह पहल तीजा जैसे पारंपरिक पर्व को सेवा, संवेदना और अपनत्व से जोड़ने वाली पहल के रूप में देखी

जा रही है। आमजन के बीच सहजता से उपलब्ध रहने और जनभावनाओं से जुड़े विषयों पर संवेदनशीलता दिखाने वाले विधायक रिकेश सेन की इस पहल की चर्चा क्षेत्र में हो रही है। तीजा पर्व पर बहनों के मायके जाने की परंपरा के बीच भाइयों के लिए भोजन की यह व्यवस्था विधायक रिकेश सेन की जनसेवा के साथ सामाजिक सरोकार की भी दर्शाती है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के अवसर बिना पदोन्नति पर फेडरेशन ने सवाल उठाए



कवर्धा। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक सम्प्र शिक्षा फेडरेशन, कबीरधाम ने सहायक शिक्षक (एल.बी.) से शिक्षक पद पर चल रही पदोन्नति प्रक्रिया और शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर शासन की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। जिला अध्यक्ष प्रेम नारायण शर्मा के नेतृत्व में फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने पंडरिया विधायक भावना बोहरा से मुलाकात कर शिक्षकों की मांगों को शासन तक पहुंचाने की मांग की।फेडरेशन का कहना है कि 29 मई 2026 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद सेवानिवृत्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा की पात्रता हासिल करने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। संगठन ने मांग की कि पदोन्नति प्रक्रिया को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा में कम से कम दो-तीन अवसर दिए जाएं, ताकि समान

अवसर के आधार पर पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ सके। प्रतिनिधिमंडल ने गणित, हिंदी और अंग्रेजी विषय के शिक्षक पदों पर पदोन्नति में नियुक्ति लिथि, तत्कालीन भर्ती नियम, शैक्षणिक योग्यता, शिक्षक पात्रता परीक्षा की पात्रता, विषयवार योग्यता और वरिष्ठता का निष्पक्ष परीक्षण किए जाने की मांग रखी। फेडरेशन ने कहा कि समान परिस्थितियों वाले शिक्षकों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए तथा जिस विषय के पद पर पदोन्नति दी जा रही है, उसके लिए निर्धारित पात्रता का स्पष्ट परीक्षण आवश्यक है। फेडरेशन ने पदोन्नति सूची जारी करने से पहले सेवा अभिलेखों और प्राप्त आपत्तियों का पुनः परीक्षण करने की भी मांग की है। संगठन का कहना है कि उसका उद्देश्य किसी शिक्षक की पदोन्नति रोकना नहीं, बल्कि सभी पात्र शिक्षकों को समान अवसर देकर पारदर्शी और नियमसम्मत प्रक्रिया सुनिश्चित कराना है। विधायक भावना बोहरा से शासन स्तर पर इन मांगों को प्रमुखता से रखने और उचित निराकरण के लिए पहल करने का आग्रह किया गया। प्रतिनिधिमंडल में प्रेम नारायण शर्मा, केरालाल साहू, भरपू कुर्रे, अमित शर्मा, शंकर पाली, ओसन साहू, राकेश खरे, केशो राम पाली, सरजू मरकाम सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

अवैध नल कनेक्शन होंगे नियमित, 5 हजार में आवासीय, 10 हजार में व्यवसायिक



कवर्धा। नगर पालिका परिषद कवर्धा ने वर्षों से अनियमित रूप से संचालित हो रहे नल कनेक्शनों को वैध रिकॉर्ड में शामिल करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। परिषद ने आवासीय कनेक्शन को 5 हजार रुपये और व्यवसायिक कनेक्शन को 10 हजार रुपये की एकमुश्त राशि में नियमित कराने का अवसर दिया है। अभियान 15 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। निर्धारित अवधि के बाद नियमितीकरण कराने पर दोगुनी राशि देय होगी। नगर पालिका को इस पहल को शहर में जलापूर्ति व्यवस्था को रिकॉर्ड आधारित

और व्यवस्थित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। लंबे समय से नगर पालिका के अभिलेखों में दर्ज नहीं नल कनेक्शनों को अब एकमुश्त शुल्क के जरिए नियमित कराने का रास्ता खोला गया है। इससे उपभोक्ताओं को जहां कम शुल्क में कनेक्शन वैध कराने का अवसर मिलेगा, वहीं नगर पालिका के पास शहर के वास्तविक नल कनेक्शनों का व्यवस्थित रिकॉर्ड भी तैयार हो सकेगा। परिषद की ओर से स्पष्ट किया गया है कि विशेष अभियान 16 अगस्त से 15 अक्टूबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। आवासीय कनेक्शन के लिए 5 हजार तथा व्यवसायिक कनेक्शन के लिए 10 हजार रुपये एकमुश्त शुल्क निर्धारित किया गया है। समय-सीमा निकलने के बाद नियमितीकरण कराने वालों को परिषद के प्रावधान के अनुसार दोगुना शुल्क देना पड़ेगा।

अध्यक्ष बोले-पुरानी समस्या का समाधान है अभियान

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि शहरवासियों को राहत देना परिषद की प्राथमिकता है। वर्षों से नगर पालिका रिकॉर्ड में दर्ज नहीं नल कनेक्शनों को नियमित कराने के लिए यह विशेष अवसर दिया गया है। इससे नागरिकों को अपने कनेक्शन को विधिवत दर्ज कराने की सुविधा मिलेगी तथा जलापूर्ति और जलकर व्यवस्था को भी अधिक व्यवस्थित किया जा सकेगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि निर्धारित अवधि समाप्त होने से पहले नियमितीकरण करारकर शुल्क का लाभ उठाएं।

समय-सीमा चूकी तो दोगुना शुल्क

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने बताया कि विशेष अभियान के दौरान आवासीय नल कनेक्शन के लिए 5 हजार और व्यवसायिक कनेक्शन के लिए 10 हजार रुपये की एकमुश्त राशि निर्धारित है। उन्होंने नागरिकों से समय-सीमा का इंतजार नहीं करने और आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की।नियमितीकरण के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, स्वामित्व संबंधी दस्तावेज जैसे संपत्तिक रक्कम समेकित कर रसीद, पहा, स्टाम्प आदि तथा 50 रुपये के स्टाम्प पेपर पर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करना होगा। आवेदन नगर पालिका कार्यालय के कक्ष मांक 22 में जमा किया जा सकता है।

रिकॉर्ड व्यवस्थित करने पर जोर

नगर पालिका का कहना है कि अभियान का उद्देश्य केवल अनियमित नल कनेक्शनों को नियमित करना नहीं, बल्कि शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को व्यवस्थित करना भी है। सभी कनेक्शनों का रिकॉर्ड तैयार होने से उपभोक्त 13ों की जानकारी, जलापूर्ति व्यवस्था और जलकर वसूली को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी। नगर पालिका परिषद ने शहरवासियों से अपील की है कि वे 15 अक्टूबर 2026 से पहले अपने अनियमित नल कनेक्शन नियमित कराएं। विशेष शुल्क में यह अवसर सीमित अवधि के लिए है; समय-सीमा समाप्त होने के बाद अतिरिक्त अधिक भार उठाना पड़ सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित कवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए)पैआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com

